BED I- PE 2
समकालीन भारत एवं शिक्षा
Contemporary India and Education

खण्ड 1		
इकाई सं०	**इकाई का नाम**	**पृष्ठ सं०**
2	विभिन्न स्तरों पर विविधिता - वैयक्तिक, क्षेत्रीय, भाषा, जाति और समूह, इन विविधताओं के कारण उत्पन्न समस्याओं का सामना करना, साथ ही साथ समुदायों और वैयक्तिक भिन्नता पर आधारित विविधतापूर्ण ज्ञान और अनुभव से प्राप्त लाभ को उपयोग में लाना	2-19
3	समाज में विविधता, असमानता एवं सीमान्तता – इन समुदायों एवं व्यक्तियों की शिक्षा से मांग को समझना साथ ही उनकी पूर्ति हेतु सामाजिक-शैक्षणिक रणनीतियों का विकास	20-36
4	विविधता के संदर्भ में बच्चों को विकसित करने में शिक्षा की भूमिका	37-58
5	शिक्षार्थियों को 'एक साथ जीना सीखाने' में समर्थ बनाने के लिए शिक्षा की भूमिका; सामूहिक जीवन का लाभ; शांतिपूर्ण और उचित प्रकार से वार्ता एवं आपसी समझौते के माध्यम से तनाव के समाधान हेतु शैक्षिक आगत	59-74

खण्ड 2		
इकाई सं०	**इकाई का नाम**	**पृष्ठ सं०**
2	शिक्षा के उद्देश्यों से संबंधित "संवैधानिक मूल्यों" की आलोचनात्मक समझ	76-85
3	असमानता, भेदभाव एवं अपवंचन वर्ग की पहचान तथा इनके उन्मूलन हेतु संवैधानिक प्रावधान	86-103
4	शिक्षा के सार्वभौमिकरण के माध्यम से स्वतन्त्रता, न्याय, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक वायदों की पूर्ति	104-119

खण्ड 3		
इकाई सं०	**इकाई का नाम**	**पृष्ठ सं०**
1	मुद्दे एवं नीतियाँ	121-136
2	आधुनिक शिक्षा तथा इसके प्रति प्रतिक्रियाएँ	137-150
4	बहुभाषिक शिक्षा पर वर्तमान दौर में बढ़ता शोध, स्कूलिंग के माध्यम पर टिप्पणी, भाषा नीतियों के सन्दर्भ में संवैधानिक प्रावधान	151-163

खण्ड 4		
इकाई सं०	**इकाई का नाम**	**पृष्ठ सं०**
1	सुनियोजित औद्योगिकीकरण के सन्दर्भ में कोठारी आयोग की महत्वपूर्ण अनुशंसाएँ एवं कार्यान्वयन	165-180
2	मध्यान्ह भोजन योजना कार्यक्रम की समीक्षा	181-193
4	मध्यान्ह शिक्षा का सर्वसाधारणीकरण, स्तरीकरण एवं निजीकरण	194-211